समाचार पत्र

राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान

(बायोटेक्नोलॉजी विभाग, भारत सरकार)

आज़ादी का अमृत महोत्सव

अंक – 10
वर्ष - 2021
(जुलाई - सितंबर)

समाचार पत्र के इस अंक में -

- कार्यक्रम / आयोजन / विशेष चर्चाएँ
- सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां
- पीएच.डी. डिग्री अवार्ड
- विज्ञान संचार एवं आउटरीच

संपर्क करें:
श्री रत्नेश्वर ठाकुर (संपादक)
ई-मेल: social@nipgr.ac.in,
टेलीफ़ोन नं. 011-26735251 (एक्सटेंशन: 251)

@NIPGR
@NIPGRsocial
www.nipgr.ac.in

समाचार पत्र

राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान

आज़ादी का अमृत महोत्सव

कार्यक्रम / आयोजन / विशेष चर्चाएँ

हिंदी पखवाड़ा

1. संस्थान में सितंबर 01- 14 , 2021 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया । इस अवसर पर राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा अग्रेषित सूक्तियों के पोस्टर बनाकर पखवाड़ा के दौरान संस्थान के विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शित किया गया।
2. हिंदी पखवाड़ा के दौरान सितंबर 13, 2021 को डॉ. संदीप कुमार गुप्ता, वैज्ञानिक, भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून, द्वारा 'वन्यजीव फोरेंसिक जाँच' विषय पर संगोष्ठी का ऑनलाइन माध्यम से आयोजन किया गया ।
3. 14 सितम्बर 2021 को ऑनलाइन माध्यम से संस्थान के सदस्यों द्वारा राजभाषा प्रतिज्ञा ली गई ।

हिंदी कार्यशाला

संस्थान में सितंबर 28, 2021 को श्री ओम प्रकाश साह, कनिष्ठ हिंदी अनुवादक, रा.पा.जी.अनु.सं. द्वारा 'राजभाषा संबंधी नीति एवं निर्देश' विषय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया । संस्थान के स्टाफ सदस्यों और छात्रों / शोधकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक उक्त कार्यशाला में भाग लिया।

स्वतंत्रता दिवस

75 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर डॉ. शुभ्रा चक्रवर्ती (निदेशक, एनआईपीजीआर), द्वारा संस्थान में ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने देश एवं समाज के विकास के लिए संस्थान की भूमिकाओं को रेखांकित किया तथा सभी को शुभकामनाएं ज्ञापित की।

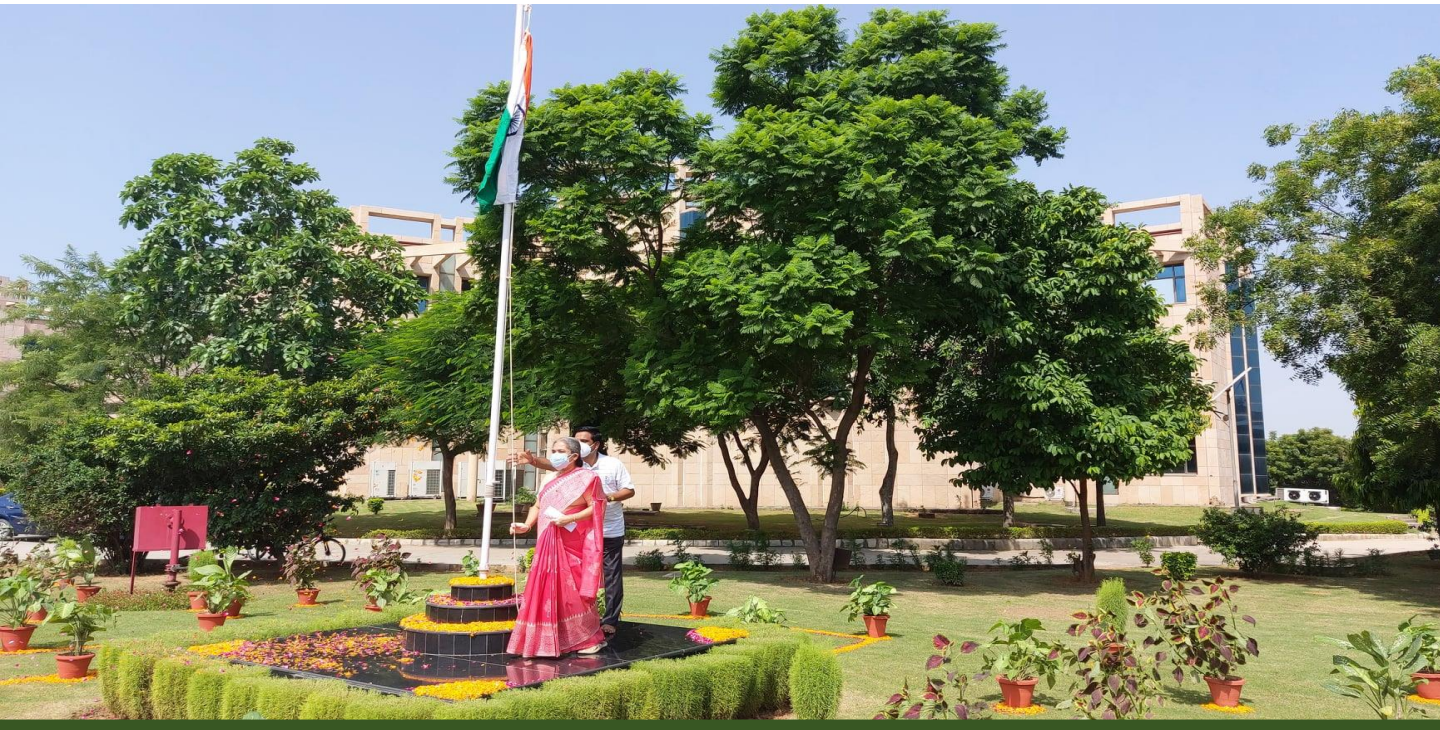

सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

डॉ. जगदीश गुप्ता कपुगंती (वैज्ञानिक, एनआईपीजीआर) की टीम ने फलों और सब्जियों को सड़ने और बर्बाद होने से बचाने के लिए 'शेल्फ-लाइफ एन्हांसर' का आविष्कार किया है। उनके आविष्कार को निम्नलिखित ऑनलाइन मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रकाशित किया गया है।

Gaonconnection

https://en.gaonconnection.com/shelf-life-fruits-vegetables-farmers-income-horticulture-suicides-cold-storage-nitric-oxide-solar-energy-agriculture-farming/

krishi.outlookindia

https://krishi.outlookindia.com/story/formula-to-stall-ripening-add-shelf-life-without-refrigeration/378612

thebetterindia

https://www.thebetterindia.com/262084/fruits-vegetable-shelf-life-enhancer-scientist-research-low-cost-innovation/

डॉ. जगदीश गुप्ता कपुगंती (वैज्ञानिक, एनआईपीजीआर) को प्लांट फिजियोलॉजी के विशेषज्ञ समूह और एसोसिएशन ऑफ एप्लाइड बायोलॉजिस्ट, यूके (कृषि और खाद्य विज्ञान में अनुप्रयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा देने वाला एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठन) के फसल सुधार विशेषज्ञ समूह में शामिल किया गया है।

डॉ. जगदीश गुप्ता कपुगंती (वैज्ञानिक, एनआईपीजीआर) को पादप विज्ञान अनुसंधान में एक उच्च गुणवत्ता वाली शोध पत्रिका, न्यू फाइटोलॉजिस्ट के अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड में शामिल किया गया है। वह 3 साल की अवधि के लिए सलाहकार बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य करेंगे।

डॉ. जगदीश गुप्ता कपुगंती (वैज्ञानिक, एनआईपीजीआर) ने श्री पद्मावती वेंकटेश्वर फाउंडेशन (श्रीपीवीएफ) द्वारा 2021 में कृषि के लिए श्री रामकृष्ण परमहंस अनुसंधान अनुदान, पुरस्कार 2021 प्राप्त किया।

https://www.sreepadmavathivenkateswarafoundation.org

समाचार पत्र

राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान

सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

डॉ. गीतांजलि यादव (वैज्ञानिक, एनआईपीजीआर) , सेंट एडमंड कॉलेज, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय की गवर्निंग काउंसिल के लिए चुनी गई हैं। परिषद के सदस्य के रूप में, उन्हें दो साल की अवधि के लिए कॉलेज के वित्तीय, कानूनी और परिचालन प्रबंधन के लिए जिम्मेदार ट्रस्टियों में नियुक्त किया गया है।

डॉ. अमरजीत सिंह (वैज्ञानिक, एनआईपीजीआर) को पादप विज्ञान में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत (एनएएसआई) की प्रतिष्ठित सदस्यता के लिए चुना गया है।

डॉ. ऐश्वर्या लक्ष्मी (वैज्ञानिक, एनआईपीजीआर) को जेसी बोस नेशनल फेलोशिप 2021 प्राप्त हुआ है । यह पुरस्कार विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा विशेषज्ञता के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया जाता है।

पीएच. डी. डिग्री अवार्ड

1. सुश्री जूही भट्टाचार्या (पीएच.डी. छात्रा) को "आइडेंटिफिकेशन एंड फंक्शनल कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर(एस) इन्वोल्वड इन टेम्परेचर सिग्नलिंग इन प्लांट्स" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से सितंबर 16, 2021को सम्मानित किया गया । उन्होंने यह शोध कार्य डॉ आशीष रंजन (वैज्ञानिक) के पर्यवेक्षण में पूरा किया है।
2. श्री विष्णु मिश्रा (पीएच.डी. छात्र) को "रोल ऑफ़ सिलेक्टेड माइक्रोआरएनए(एस) इन डेवलपमेंट ऑफ़ अरबिदोप्सिस थालिअना" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से अगस्त 11, 2021 को सम्मानित किया गया । उन्होंने यह शोध कार्य डॉ आनंद के. सरकार, वैज्ञानिक (जेएनयू में ग्रहणाधिकार पर) के पर्यवेक्षण में पूरा किया है।
3. सुश्री स्तेंज़िन नोर्यंग (पीएच.डी. छात्रा) को "इन्वेस्टीगेशन ऑफ़ क्रोस्स्ताल्क बिटवीन औक्सिन सिग्नलिंग एंड एमऐपी काइनेज कास्केड दुरिंग प्लांट डेवलपमेंट" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से अगस्त 04, 2021 को सम्मानित किया गया । उन्होंने यह शोध कार्य डॉ आलोक कृष्णा सिन्हा (वैज्ञानिक) के पर्यवेक्षण में पूरा किया है।
4. सुश्री महिमा (पीएच.डी. छात्रा) को "रोल ऑफ़ एपिजेनेटिक मोदिफायर्स इन द डेवलपमेंट ऑफ़ अरबिदोप्सिस थालिअना " नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से अगस्त 02, 2021 को सम्मानित किया गया । उन्होंने यह शोध कार्य डॉ आनंद के सरकार, वैज्ञानिक (जेएनयू में लियन पर) के पर्यवेक्षण में पूरा किया है।
5. सुश्री मानवी शर्मा (पीएच.डी. छात्रा) को "टू स्टडी द इंटरेक्शन बिटवीन ग्लूकोस एंड जस्मोनिक एसिड सिग्निल्लिंग पथ्वाय्स इन अरबिदोप्सिस थालिअना" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से जुलाई 30, 2021 को सम्मानित किया गया । उन्होंने यह शोध कार्य डॉ. एश्वेर्य लक्ष्मी (वैज्ञानिक) के पर्यवेक्षण में पूरा किया है।

विज्ञान संचार एवं आउटरीच

विज्ञान सेतु वेबिनार

स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है, इस अवसर पर डीबीटी-एनआईपीजीआर द्वारा विज्ञान सेतु वेबिनार श्रृंखला 2021-22 का आयोजन किया। इसके तहत वैज्ञानिकों ने जुलाई से सितंबर 2021 के दौरान निम्नलिखित व्याख्यान दिया।

1. डॉ. हस्थी राम (वैज्ञानिक) ने सितंबर 24, 2021 को " मेकिंग इंडिया मालन्यूट्रीशन फ्री : बाय इम्प्रोविंग न्यूट्रीशनल क्वालिटीज ऑफ़ राइस ग्रेन" पर एक व्याख्यान दिया।
2. डॉ. सलोनी माथुर (वैज्ञानिक) ने सितंबर 10, 2021 को " द : डार्क मेटर राइजेज द फेसिनेटिंग वर्ल्ड ऑफ़ रेगुलेटरी नॉन-कोडिंग आरएनएएस इन प्लांट" शीर्षक विषय पर एक व्याख्यान दिया ।
3. डॉ. अमरजीत सिंह (वैज्ञानिक) ने अगस्त 25, 2021 को "लिपिड सिग्नलिंग फॉर स्ट्रेस टॉलरेंस इन प्लांट्स " पर एक व्याख्यान दिया।
4. डॉ. पिंकी अग्रवाल (वैज्ञानिक) ने अगस्त 13, 2021 को "राइस ग्रेन : एस्टेपल फूड फॉर आल" विषय पर एक व्याख्यान दिया।
5. डॉ. शैलेश कुमार (वैज्ञानिक) ने जुलाई 29, 2021 को "बायोइन्फ़ोर्मेटिक: लुकिंग इट माई वे" पर एक व्याख्यान दिया।
6. डॉ. ऐश्वर्या लक्ष्मी (वैज्ञानिक) ने जुलाई 09, 2021 को एक व्याख्यान दिया। डॉ. ऐश्वर्या की व्याख्यान का शीर्षक था " अंडरस्टैंडिंग रोल ऑफ़ सुगर सिग्नल ट्रांसडक्शन इन रेगुलटिंग प्लांट ग्रोथ डेवलपमेंट एंड स्ट्रेस रेस्पोंसेस"।